

# हिंदी पत्रिका

'सृजन दीप'

वर्ष – 2025

विद्यालय: सेंट अर्नोल्ड को-एड स्कूल, पालदा

कक्षा: 9वीं

प्रस्तुतकर्ता: इशान बत्रा

पृष्ठ संख्या स्वतः PDF में जुड़ जाएगी | सृजन दीप – हिंदी पत्रिका 2025

## अनुक्रमणिका

1. संपादकीय – 'हिंदी – हमारी पहचान' (इशान बत्रा)
2. स्वरचित कविताएँ (रचना वर्मा)
3. लघु कहानी – 'ईमानदारी का इनाम' (नेहा अग्रवाल)
4. लेख – 'स्वच्छ भारत अभियान' (विकास मेहता)
5. लेख – 'सोशल मीडिया का प्रभाव' (अनुष्का राय)
6. रचनात्मक सामग्री (साहित्य समिति)

## संपादकीय – 'हिंदी – हमारी पहचान'

हिंदी केवल भाषा नहीं, हमारी संस्कृति और आत्मा की आवाज़ है। यह हमारी देशभक्ति, हमारी परंपराएँ और हमारी भावनाओं का आईना है। जब हम हिंदी बोलते हैं, तो हम अपने इतिहास, अपनी विरासत से जुड़ते हैं। इस पत्रिका के माध्यम से हमने अपनी रचनात्मक सोच को शब्दों का रूप देने का प्रयास किया है।

आज के डिजिटल युग में जहां कई भाषाएँ प्रबल हैं, वहां हिंदी का अपना अलग महत्व और स्थान है। इसे संजोना, इसे आगे बढ़ाना हम सभी की जिम्मेदारी है। हिंदी भाषा का समृद्ध साहित्य, गीत, कविता और निबंध हमें हमारी जड़ों से जोड़े रखते हैं। हमें गर्व होना चाहिए कि हम हिंदी बोलते हैं और इसी गर्व को आगे बढ़ाना हमारा कर्तव्य है।

इस पत्रिका में प्रस्तुत सभी लेख, कविताएँ और कहानियाँ इसी भावना का हिस्सा हैं। आशा है कि ये रचनाएँ आपको प्रेरित करेंगी और आपकी सोच को विस्तार देंगी।

– **इशान बत्रा**

पृष्ठ संख्या स्वतः PDF में जुड़ जाएगी | सृजन दीप – हिंदी पत्रिका 2025

# स्वरचित कविताएँ

## कविता 1 – 'प्रकृति का संदेश'

हरियाली ओढ़े धरती प्यारी,

नभ ने छाया की चादर डाली।

फूलों ने मुस्काना सीखा,

मानव क्यों न समझे ये बात निराली।

हवा की सरगम सुनता है जब,

मन में उमंग जगाता है सब।

पक्षियों की चहचहाहट सुन,

जीवन में बस जाता है मधुर रस।

पर्यावरण है जीवन की धडकन,

पृष्ठ संख्या स्वतः PDF में जुड़ जाएगी | सृजन दीप – हिंदी पत्रिका 2025

इसे बचाना है हम सबका कर्तव्य।

प्रकृति का संदेश हम तक आए,

इसे हरदम सहेजकर रखें।

– रचना वर्मा

## कविता 2 – 'माँ'

माँ है जीवन का सच्चा गीत,

उसमें बसी होती हर एक प्रीत।

उसकी ममता का नहीं कोई मोल,

माँ के बिना अधूरी है ये धूप-छाँव की बोल।

उसकी गोदी में छुपा है संसार,

उसके बिना सब है बेसुध अपार।

पृष्ठ संख्या स्वतः PDF में जुड़ जाएगी | सृजन दीप – हिंदी पत्रिका 2025

माँ की मुस्कान है अमृतधारा,

जो हर दुख को कर दे आसान सारा।

हर खुशी की वजह, हर सपना की छाँव,

माँ के बिना जीवन है अधूरा साव।

**– रचना वर्मा**

## लघु कहानी – 'ईमानदारी का इनाम'

एक बार एक बच्चा नाम राहुल पार्क में खेल रहा था। खेलते-खेलते उसकी नज़र एक खोया हुआ पर्स पर पड़ी। उसने पर्स उठाया और देखा कि उसमें कुछ पैसे और पहचान पत्र थे। राहुल ने तुरंत यह सोच लिया कि पर्स वापस मालिक को लौटाना ही सही होगा। उसने बिना कोई देरी किए पास के पुलिस स्टेशन जाकर पर्स जमा कर दिया।

कुछ दिनों बाद, पर्स का मालिक, एक बूढ़ा व्यक्ति, पुलिस स्टेशन आया। उसने पुलिस से पूछा कि क्या उसका खोया हुआ पर्स मिला है। पुलिस ने उसे बताया कि एक बच्चा राहुल ने पर्स जमा कराया है। बूढ़े व्यक्ति ने राहुल को ढूंढा और उसकी ईमानदारी की तारीफ करते हुए उसे इनाम दिया।

इस घटना ने राहुल को यह सिखाया कि ईमानदारी सबसे बड़ा गुण है और हमेशा उसकी कीमत मिलती है। समाज में ऐसी ईमानदार युवा पीढ़ी ही आने वाला कल है।

**नैतिक शिक्षा:** ईमानदारी सदा फल देती है। हमें हमेशा सच बोलना और सही कार्य करना चाहिए।

– नेहा अग्रवाल



## लेख – 'स्वच्छ भारत अभियान'

स्वच्छ भारत अभियान भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य देश को साफ-सुथरा, स्वस्थ और स्वच्छ बनाना है। इस अभियान का प्रभाव न केवल स्वास्थ्य पर पड़ता है, बल्कि यह हमारे देश की सुंदरता और जीवन की गुणवत्ता में भी सुधार करता है।

स्वच्छता केवल सड़कों और गलियों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारे घर, स्कूल, और सार्वजनिक स्थानों की जिम्मेदारी भी है। अगर हम सभी मिलकर कूड़ा-करकट सही स्थान पर फेंकें, प्लास्टिक का प्रयोग कम करें, और नियमित सफाई करें, तो हमारा पर्यावरण बेहतर होगा।

स्वच्छता से बीमारियाँ कम होती हैं, जिससे बचपन की बीमारियों में भी कमी आती है। स्वच्छ भारत अभियान में हर नागरिक की भागीदारी ज़रूरी है, ताकि हम एक स्वस्थ और सुंदर भारत का निर्माण कर सकें।

यह अभियान हमें सिखाता है कि देश की असली सेवा स्वच्छता से होती है। हमें अपने आसपास के लोगों को भी जागरूक करना चाहिए और स्वच्छता को अपने जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए।

– विकास मेहता

## लेख – 'सोशल मीडिया का प्रभाव'

सोशल मीडिया आज के समय में सूचना का सबसे बड़ा स्रोत बन गया है। यह हमें दुनिया से जोड़ता है, नये विचार और ज्ञान देता है। इसके माध्यम से हम अपने दोस्तों और परिवार से जुड़ सकते हैं, अपने विचार साझा कर सकते हैं, और नई-नई चीजें सीख सकते हैं।

सोशल मीडिया के कई सकारात्मक पहलू हैं – जैसे शिक्षा में सुधार, जागरूकता फैलाना, रचनात्मकता को प्रोत्साहित करना, और व्यवसायों को बढ़ावा देना। आज के युवा इसके माध्यम से अपनी कला, संगीत, और लेखन का प्रदर्शन कर रहे हैं।

लेकिन सोशल मीडिया के दुष्परिणाम भी हैं। समय की बर्बादी, गलत सूचना का फैलाव, साइबर बुलिंग, और मानसिक तनाव इसके कुछ नकारात्मक पहलू हैं। कई बार सोशल मीडिया पर वायरल खबरें सत्य नहीं होतीं, जिससे भ्रम फैलता है।

हमें चाहिए कि हम सोशल मीडिया का विवेकपूर्ण और संयमित उपयोग करें। अपनी व्यक्तिगत जानकारी साझा करते समय सावधानी बरतें और नकारात्मक बातों से दूर रहें।

सही उपयोग से सोशल मीडिया हमारे लिए वरदान है, लेकिन अंधाधुंध उपयोग से यह हमारे जीवन में परेशानी भी ला सकता है। इसलिए हमें जागरूक रहना होगा और इस तकनीक का सही और सकारात्मक तरीके से इस्तेमाल करना होगा।

– अनुष्का राय

## रचनात्मक सामग्री

### 🌀 स्लोगन:

- 'हिंदी हैं हम, वतन है हिंदुस्तान हमारा!'
- 'पढ़ो, लिखो, बढ़ो – हिंदी में गर्व करो।'
- 'मेरा देश, मेरी भाषा, मेरी शान।'

### 🌀 मुहावरे:

- आँखों का तारा – बहुत प्यारा व्यक्ति
- आसमान से बातें करना – बहुत ऊँचा उठना
- दाल में कुछ काला है – कुछ गड़बड़ है

### 🌀 पहेली:

ऊपर से नीचे चलती जाए,  
फिर भी जगह पर ही रह जाए।  
उत्तर: घड़ी की सुई

– साहित्य समिति